08/03/22	पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी तथा तहसीलदार उपस्थित नहीं। तहसीलदार रिपोर्ट पेश की। पत्रावली वास्ते आदेश हेतु दिनांक 15/3/2022 लोक अदालत उपस्थित होवें। ह०-	ह० 08/03/2022
15.3.22	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थीगण वकील उपस्थित। अप्रार्थी उपस्थित। बहस प्रा० पत्र श्रवण की गई। पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया एवं बहस पर मनन किया गया। बहस के दौरान प्रार्थीगण वकील ने प्रा० पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराया तथा ग्राम गुडागोड़ा के ख० न० 2197, 2202 में प्रार्थीगण के पिता व पति का ह०	

Signature Not Verified

Digitally signed by Ram Singh Rajawat
Date: 2023.02.13 12:30:19 IST
Reason: SelfAttested

आदेश	कार्यवाही विवरण
	नाम गणपत के बजाय प्रभातराम दुरुस्त किये जाने का निवेदन किया। अप्रार्थी ने तत्पश्चात जांच रिपोर्ट में अंकित तथ्यों को दोहराया तथा कथन किया कि गणपतराम नामका कोई व्यक्ति नहीं है। गणपतराम व प्रभातराम एक ही व्यक्ति के नाम है। पत्रावली का एवं पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजात सरपंच ग्राम पंचायत पौंख का प्रमाण-पत्र का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया एवं बहस पर मनन किया गया। सरपंच ग्राम पंचायत पौंख के प्रमाण पत्र के अनुसार भी गणपतराम व प्रभात एक ही व्यक्ति के नाम है। उक्त विवेचन से स्पष्ट है कि प्रार्थीगण के पिता व पति का नाम गणपतराम की बजाय प्रभातराम है। अतः ग्राम गुढा गौडजी के खसरा नं० 2197 व 2202 में प्रार्थीगण के पिता व पति का नाम गणपतराम के बजाय प्रभातराम दुरुस्त किया जाना उचित एवं न्यायोचित प्रतीत होता है।

आदेश

प्रार्थीका प्रार्थना पत्र अ. धारा 136 LR Act स्वीकार किया जाता है तथा ग्राम गुढा गौडजी के खाता सं० नया 320 के भूमि खसरा नम्बर 2197 रकबा 3.97 हे०, खसरा नं० 2202 रकबा 0.60 हे० कुल किता 2 का कुल रकबा 4.57 हे० में प्रार्थीगण के पिता [illegible] का नाम गणपत की बजाय प्रभातराम दुरुस्त किया [illegible] शेष खाता यथावत रहेगा। तहसीलदार [illegible] राजस्व रिकार्ड में दुरुस्ती करें। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा दाखिल दफ्तर हो।

15/3/22

Signature Not Verified
Digitally signed by Ram Singh Rajawat
Date: 2023.02.13 12:30:19 IST
Reason: SelfAttested